(ख) कवि दिनकर की राष्ट्रीय-चेतना के विविध आयामों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

**अथवा**

सुभद्रा कुमारी चौहान की कविता 'झाँसी की रानी' की विषय-वस्तु पर चर्चा कीजिए।

(ग) 'आ गये, ऋतुराम' अथवा 'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

★★★





**2023**

# HINDI

( Honours Elective )

Paper : HIN–HE–5026

( हिन्दी की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा )

*Full Marks* : 80

*Time* : 3 hours

*The figures in the margin indicate full marks for the questions*

**1.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) 'राष्ट्रकवि' की आख्या किसे दी गयी है?

(ख) 'भारत-भारती' कब प्रकाशित हुई थी?

(ग) 'प्राण का शृंगार' नामक कविता के कवि कौन हैं?

(घ) 'भारत का यह रेशमी नगर' शीर्षक कविता में कवि ने किस नगर की बात की है?

(ङ) 'व्यथित हृदय' शीर्षक कविता में कवयित्री ने कौन-सी भावना व्यक्त की है?

(च) 'हिमकिरीटनी' किसकी रचना है?

(छ) अवकाश को किसने बुरा कहा है?

(ज) लक्ष्मीबाई किसकी मुँह-बोली छबीली बहन थी?

(झ) "यह पुण्य भूमि प्रसिद्ध है,
इसके निवासी 'आर्य्य' हैं।"

यह पंक्ति किस कविता की है?

(ञ) 'राष्ट्रवाणी' काव्य-संकलन के सम्पादक कौन हैं?

**2.** निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) "हुई न यो सु-मृत्यु, तो वृथा मरे, वृथा जिए" का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'सिपाही' शीर्षक कविता का संदेश क्या है?

(ग) दिनकर के काव्य की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

(घ) "आदमी अत्यधिक सुखों के लोभ से ग्रस्त है।" इस काव्य-पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ङ) सुभद्रा कुमारी चौहान की किन्हीं दो काव्य-कृतियों के नाम लिखिए।

**3.** निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'सिपाहिनी' शीर्षक कविता का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'रक्षा करो देवता' कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं?

(ग) "भारती की वेणी में गुँथा हुआ कश्मीर,
कर रहा है विश्व के संदेह सौ-सौ दूर।"

प्रस्तुत काव्य-पंक्तियों का भावार्थ बताइए।





(घ) "अनुनय विनय नहीं सुनता है, विकट फिरंगी की माया,
व्यापारी बन दया चाहता था जब यह भारत आया।"

इन पंक्तियों में निहित आशय स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'मनुष्यता' कविता की किन्हीं तीन विशेषताओं को सोदाहरण लिखिए।

(च) माखनलाल चतुर्वेदी का साहित्यिक परिचय दीजिए।

**4.** सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

"शैशव-दशा में देश प्राय: जिस समय सब व्याप्त थे,
नि:शेष विषयों में तभी हम प्रौढ़ता को प्राप्त थे।
संसार को पहले हमीं ने ज्ञान-भिक्षा दान की,
आचार की, व्यवहार की, व्यापार की, विज्ञान की।"

**अथवा**

"भू-मण्डल पर त्रेता!
बनने दो आकाश छेदकर
उसको राष्ट्र-विजेता,
जाने दो, मेरी किस
बूते कठिन परीक्षा लेता,
कोटि-कोटि कंठों 'जय-जय' है
आप कौन हैं; नेता?"

**5.** निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) हिन्दी की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

**अथवा**

'भारत की श्रेष्ठता' शीर्षक कविता के प्रतिपाद्य की समीक्षा कीजिए।